मनमानी

आमानाला में 25 वर्ष पुराने पेड़ों पर चला बुलडोजर, प्रशासन को भी नहीं दी सूचना

सड़क निर्माण कंपनी ने बिना अनुमति वृक्षों को किया जमींदोज

आमानाला, मंडला, नवभारत। एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री एक पेड़ माँ के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं, वहीं जिले में सड़क निर्माण के नाम पर फलदार और छायादार वृक्षों की बेदर्दी से कटाई की जा रही है। ताजा मामला जिला मुख्यालय से महज 4 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 543 डिंडौरी-मंडला मार्ग पर स्थित ग्राम आमानाला का है, जहाँ सड़क निर्माण कंपनी ने बिना किसी पूर्व सूचना के दशकों पुराने फलदार पेड़ों को धराशायी कर दिया।

ग्राम आमानाला में सड़क निर्माण के दौरान तीन महत्वपूर्ण फलदार वृक्षों में एक 25 वर्षीय आंवला, 15 वर्षीय जामुन और 12 वर्षीय आम के पेड़ को बुलडोजर के माध्यम से गिरा दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि इन पेड़ों को न केवल बेरहमी से काटा गया, बल्कि साक्ष्य छुपाने के लिए उन पर सड़क की मिट्टी डालकर उन्हें दफनाने का प्रयास भी किया गया। इस प्रक्रिया में नल-जल योजना की पाइपलाइन को भी भारी क्षति पहुँची है।

ग्रामीणों की अपील अनसुनी

जब स्थानीय ग्रामीणों ने पेड़ों को बचाने की विनती की और बताया कि पंचायत ने इन्हें व्यायामशाला परिसर में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है, तो मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उनकी एक न सुनी। ग्रामीणों ने जब पेड़ों की कटाई की अनुमति माँगी, तो अधिकारियों द्वारा न केवल उनसे दुर्व्यवहार किया गया बल्कि जबरन पेड़ों को सुरक्षा बाड़ सहित उखाड़ फेंका गया।

वन और राजस्व विभाग को नहीं दी कोई सूचना

हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर कृत्य की जानकारी न तो वन विभाग को थी और न ही राजस्व विभाग को। ग्रामीणों की सूचना पर पहुँचे वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बिना अनुमति छायादार व फलदार वृक्षों के इस तरह के कटान पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सवाल उठाया कि अब बिना रिकॉर्ड संधारण के इन वृक्षों की लकड़ी का परिवहन किस प्रकार किया जाएगा।

प्रशासन ने की कार्रवाई, बनाया पंचनामा

मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार मंडला ने तत्काल पटवारी को मौके पर भेजकर पंचनामा तैयार कराया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभाग के पास वृक्षों के काटने की कोई भी आधिकारिक सूचना नहीं थी। यदि विकास कार्य के लिए पेड़ काटना अनिवार्य था, तो नियमानुसार वन और राजस्व विभाग को विश्वास में लेकर ही यह प्रक्रिया पूरी की जानी थी।

पर्यटन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगी जिले की महिलाएं

- 15 प्रतिभागियों ने शुरू किया मेहंदी प्रशिक्षण

मंडला। महिलाओं के कौशल विकास और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक नई पहल की गई है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 दिवसीय मेहंदी प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस शिविर का उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ना है।

बताया गया कि शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी शिवकुमार डकाटे उपस्थित रहे। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेहंदी कला का पर्यटन के क्षेत्र में विशेष महत्व है। पर्यटक स्थानीय संस्कृति और कला को पसंद करते हैं, ऐसे में यह प्रशिक्षण महिलाओं के हुनर को निखार कर उनके लिए स्वरोजगार के नए द्वार खोलेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को पूर्ण समर्पण के साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में कुल 15 महिलाएं और युवतियों का चयन किया गया है। आगामी 10 दिनों तक ये प्रतिभागी मेहंदी की विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों के साथ इस कला की तकनीकी बारीकियों का अभ्यास करेंगी। इस पहल से न केवल पर्यटन क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा और उपस्थिति बढ़ेगी, बल्कि वे अपनी कला के माध्यम से आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखा गया।

मासूमों के दिलों की होगी जांच 6 को लगेगा ईको जांच शिविर

- जिले के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों का होगा नि:शुल्क उपचार, जबलपुर की टीम करेगी जांच

मंडला। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंडला जिले के बच्चों के लिए स्वास्थ्य विभाग एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। सीएमएचओ ने बताया कि आगामी 6 मई को जिला चिकित्सालय मंडला स्थित डीईआईसी केंद्र में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए एक विशेष जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चों की पहचान करना और उन्हें उपचार उपलब्ध कराना है, जो हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। शिविर में जबलपुर के प्रतिष्ठित बडेरिया मेट्रोप्राइम मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम अपनी अत्याधुनिक ईको मशीन के साथ उपस्थित रहेगी। विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के हृदय की सूक्ष्म जांच की जाएगी और बीमारी की गंभीरता का आकलन किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच के बाद जिन बच्चों में हृदय रोग की पुष्टि होगी, उन्हें उच्चस्तरीय उपचार के लिए रेफर किया जाएगा।

इन बच्चों का उपचार आयुष्मान भारत योजना और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के समन्वय से पूरी तरह नि:शुल्क सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे किसी भी आर्थिक अभाव के कारण किसी बच्चे का इलाज न रुके। जिला समन्वयक अर्जुन सिंह ने बताया कि शिविर 6 मई को प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होकर शाम 4 बजे तक चलेगा। सीएमएचओ ने समस्त खंड चिकित्सा अधिकारियों और आरबीएसके टीमों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्रों में पूर्व से चिन्हांकित हृदय रोगी बच्चों को इस शिविर में लाना सुनिश्चित करें।

छात्रों को सिखाए जल संवर्धन के गुर, बनाई मानव श्रृंखला

- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत छात्रों ने ली जल संरक्षण की शपथ

नारायणगंज, नवभारत। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी एवं विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झरिया के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम नारायणगंज के संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टिकरिया में आयोजित किया गया।

शिविर के दौरान सीएमसीएलडीपी कक्षाओं के छात्रों को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने जल संरक्षण की महत्ता और इसके उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संवर्धन क्यों आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एकजुट होकर एक भव्य मानव श्रृंखला बनाई और जल बचाने का सामूहिक संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम में परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले, सुरेश सोनी सहित बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी छात्र उपस्थित रहे। परिषद का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस ने बिखेरी 52 परिवारों के चेहरों पर मुस्कान

- अन्य राज्यों से भी खोजे गए बच्चे, 50 बालिकाओं की हुई घर वापसी

मंडला। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए गए प्रदेशव्यापी ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत मंडला पुलिस ने गुमशुदा बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने में बड़ी सफलता हासिल की है। 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य बाल तस्करी की रोकथाम और अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित दस्तयाबी रहा।

पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के कुशल नेतृत्व में जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 120.93 प्रतिशत का रिकवरी रेट प्राप्त किया है। अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक सतीश कुमार चतुर्वेदी द्वारा की गई।

सात राज्यों में चला सर्च ऑपरेशन-अभियान के दौरान कुल 52 बच्चों (02 बालक एवं 50 बालिकाएं) को सकुशल दस्तयाब किया गया। मंडला पुलिस की टीमों ने न केवल मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों, बल्कि महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, हरियाणा, बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों से भी बच्चों को खोज निकाला।

इन थानों की रही महत्वपूर्ण भूमिका-इस चुनौतीपूर्ण कार्य में कोतवाली, बम्हनी, बिछिया, घुघरी, बीजाडांडी, नैनपुर, मोहगांव, निवास, मोतीनाला, टिकरिया और खटिया थाना पुलिस की विशेष टीमों ने दिन-रात एक कर दिया। पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और निर्माण स्थलों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सघन सर्चिंग की गई। मंडला पुलिस की इस संवदेनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

टाइल्स शोरूम में हंगामा, तोड़फोड़

जबलपुर। विजय नगर थाना अंतर्गत जीरो डिग्री स्थित टाइल्स शोरूम में अधिवक्ताओं और संचालक के बीच हुए विवाद के बाद हंगामा खड़ा हो गया। इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में कहासुनी से शुरू हुआ विवाद मारपीट, तोड़फोड़ तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार विजय नगर थाना अंतर्गत जीरो डिग्री के पास हरिशोभा टाइल्स है। जिसके संचालक राजा तिवारा है। जेडीए स्कीम नंबर 41 में उनकी दुकान है। उनकी दुकान के बगल में एक पांच मंजिला भवन लोहा व्यापारी एकांश डेगंरा बना रहे है जिसके निर्माण कार्य के दौरान उनकी दुकान क्षतिग्रस्त हो गई थी। साथ ही निर्माणाधीन भवन में गिर रहे पानी को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि एकांश अपने साथियों के साथ पहुंचा और शोरूम में तोड़फोड़ कर संचालक से मारपीट की। वहीं एकांश का आरोप है कि वे संचालक से बातचीत करने लग थे लेकिन संचालक ने उनके साथ मारपीट करते हुए उनके वाहन में तोड़फोड़ की है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों ने शिकायतें की है जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

घर में घुसकर युवक को पीटा कार में तोड़फोड़ कर धमकाया

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत मडई चौधरी मोहल्ला में तीन हमलावरों ने एक युवक के घर में घुसकर न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि आंगन में खड़ी उसकी कार को भी निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक मडई निवासी महेंद्र सूर्यवंशी (27) ने शिकायत दर्ज कराई है कि लेखराम चौधरी और अजय चौधरी उसके घर पहुंचे। आते ही दोनों पुरानी रंजिश को लेकर विवाद करने लगे। जब महेंद्र ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने मारपीट कर दी। हंगामा बढ़ता देख जब महेंद्र की मां और भाभी उसे बचाने दौड़ीं, तभी वहां अंजलि चौधरी नामक महिला भी पहुंच गई। अंजलि ने पास पड़ी ईंट उठाकर महेंद्र की ब्रेजा कार पर दे मारी, जिससे कार के कांच टूट गए और वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। आरोपियों ने महेंद्र पर ईंट से वार किया।

सहायक प्रबंधक कन्हैया माहेश्वरी को दी गई विदाई

- किसानों के हित में समर्पित रहा सेवाकाल

भुआ बिछिया। बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित खलोड़ी में कार्यरत सहायक प्रबंधक कन्हैया माहेश्वरी के सेवानिवृत्ति अवसर पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे, सभापति अनंत सिंह राठौर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने माहेश्वरी के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि श्री माहेश्वरी ने सदैव किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा और सहकारी संस्था को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। समारोह के अंत में उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी।

बेटियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बिखेरी छटा

- भीमडोंगरी में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की धूम, प्रमाण पत्रों का किया गया वितरण

भुआ बिछिया। ग्राम पंचायत भीमडोंगरी में महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेटियों के प्रति सम्मान, शिक्षा और उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा।

उत्सव के दौरान लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बेटियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर ने कार्यक्रम को संबोधित किया, वहीं सुपरवाइजर श्रीमती कमला परस्ते ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुश्री गुलशन मरकाम के सफल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में उप सरपंच हनुमान जाट, सचिव जय सिंह धुर्वे, घेल सिंह धुर्वे सहित बड़ी संख्या में लाड़ली बहना और नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क पर फेंका कचरा, दस हजार का जुर्माना लगा

जबलपुर। सड़क पर कचरा फेंकने वाले प्रतिष्ठान पर नगर निगम ने 10,000 का जुर्माना लगाया है। दरअसल शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को नगर निगम की टीम ने अनुशासनहीनता और गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया है कि स्वच्छता से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन एवं सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले व्यस्ततम मालवीय चैक क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अर्जुन पोहा संचालक की बड़ी लापरवाही सामने आई। दुकान बंद करने के बाद संचालक द्वारा उपयोग किए गए दोना-पत्तल सड़क पर ही फेंक दिए गए थे। शहर की सुंदरता और स्वच्छता को प्रभावित करने वाले इस कृत्य पर निगम प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित प्रतिष्ठान पर 10,000 रुपये का स्पॉट फाइन किया।

लापरवाही

आईवीएफ से नवजात देखभाल तक हुई चूक, जांच रिपोर्ट के बाद भी कार्रवाई नहीं

जुड़वा नवजातों की मौत में गंभीर लापरवाही उजागर

नवभारत, जबलपुर। खजरी खिरिया निवासी रामराज पटेल और उनकी पत्नी वंदना पटेल के जुड़वा नवजातों की मौत के मामले में चिकित्सा लापरवाही की गंभीर परतें सामने आई हैं। जांच रिपोर्ट में आईवीएफ उपचार से लेकर प्रसव और नवजात देखभाल तक कई स्तरों पर गंभीर चूक उजागर हुई है। बावजूद इसके अब तक किसी भी जिम्मेदार पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित परिवार में आक्रोश बना हुआ है।

ब्लड ग्रुप की गलत मान्यता बनी बड़ी वजह

जांच में पाया गया कि वंदना पटेल के ब्लड ग्रुप को लेकर बड़ी लापरवाही बरती गई। वर्ष 2022 और 2024 में इंदिरा आईवीएफ सेंटर में हुई जांचों में ब्लड ग्रुप अलग-अलग (एबी पॉजिटिव और एबी निगेटिव) दर्ज किया गया, लेकिन उपचार एबी पॉजिटिव मानकर किया गया। इस गंभीर त्रुटि के कारण जरूरी एंटी - डी इंजेक्शन नहीं लगाया गया और 'अप्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण' भी नहीं किया गया, जो प्रोटोकॉल के अनुसार अनिवार्य था।

प्रसव के दौरान भी नहीं बरती गई सावधानी

17 सितंबर 2025 को ऑपरेशन के माध्यम से दोनों बच्चों का जन्म हुआ। आरोप है कि डॉ. सोनल द्वारा मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री नहीं ली गई, जबकि दस्तावेज पहले से उपलब्ध थे। जन्म के बाद बच्चों की हालत बिगड़ने के संकेत मिलने के बावजूद समय पर आवश्यक परीक्षण और उपचार नहीं किया गया।

रेफरल में देरी, बिगड़ती गई स्थिति

हालत बिगड़ने पर दोनों नवजातों को पहले गैलेक्सी अस्पताल और फिर नागपुर के किम्स अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। एक बच्चे की 19 सितंबर को और दूसरे की 20 सितंबर 2025 को मौत हो गई।

समय पर भी नहीं मिला ईलाज

जांच समिति ने इसे 'आरएच असंगति' का स्पष्ट मामला बताया है, जिसमें समय पर सही इलाज और निगरानी न मिलने के कारण नवजातों की जान चली गई। रिपोर्ट में डॉ. शुभाली शर्मा, डॉ. सोनल, डॉ. नंदन शर्मा और पैथोलॉजी से जुड़ी डॉ. पूजा जैन सहित संबंधित चिकित्सा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए गए हैं।

13 साल बाद आई खुशियां मातम में बदलीं

रामराज पटेल के अनुसार, शादी के 13 वर्षों बाद 17 सितंबर 2025 को उनके घर जुड़वा पुत्रों का जन्म हुआ था। जन्म के समय दोनों बच्चे स्वस्थ बताए गए थे और परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन कुछ ही घंटों में हालात बदल गए और यह खुशी गहरे मातम में तब्दील हो गई।

पीलिया के लक्षणों को किया गया नजरअंदाज

परिजनों के अनुसार, जन्म के कुछ ही घंटों बाद बच्चों में पीलिया के लक्षण दिखाई देने लगे थे। कई बार जानकारी देने के बावजूद डॉक्टरों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और केवल धूप में रखने की सलाह दी। 24 घंटे तक कोई ब्लड टेस्ट नहीं कराया गया। जब स्थिति गंभीर हुई, तब जांच में बिलीरुबिन का स्तर अत्यधिक पाया गया, जो बच्चों के लिए जानलेवा साबित हुआ।

न्याय की आस में भटकता परिवार

गंभीर लापरवाही उजागर होने और जांच रिपोर्ट सामने आने के बावजूद अब तक दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा है और सवाल उठा रहा है कि आखिर जिम्मेदारों को कब जवाबदेह ठहराया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।